भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 08 अगस्त, 2025
जारी करने का समय: 1330 घंटे

विषय: i) अगले 7 दिनों के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में और 8 व 9 अगस्त को उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

ii) अगले 7 दिनों के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और बिहार में अलग-अलग स्थानों पर; अगले 3 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में और 8 अगस्त को ओडिशा, झारखंड और गंगीय पश्चिम बंगाल में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है।

iii) अगले 4-5 दिनों के दौरान मध्य भारत और राजस्थान में हल्की वर्षा की गतिविधियां होने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में 08 अगस्त, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- ✓ पूर्वी उत्तर प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई है।
- ✓ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, छत्तीसगढ़, बिहार और तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) दर्ज की गई है; उत्तराखंड, गंगीय पश्चिम बंगाल, पूर्वी मध्य प्रदेश, ओडिशा, झारखंड, विदर्भ, असम, मणिपुर, मराठवाड़ा, निकोबार द्वीप समूह, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

  पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया अनुलग्नक I देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- ✓ मानसून गर्त का पश्चिमी छोर समुद्र तल पर अपनी सामान्य स्थिति के उत्तर में है तथा पूर्वी छोर अपनी लगभग सामान्य स्थिति की ओर है।
- ✓ मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तरी पंजाब और उसके आसपास के क्षेत्रों में एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में देखा जा रहा एक पश्चिमी विक्षोभ।
- ✓ निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल के तटों और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के आसपास के क्षेत्रों में एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है, जो ऊँचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुक रहा है।
- ✓ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तर-पूर्व उत्तर प्रदेश से दक्षिण बांग्लादेश तक एक द्रोणिका बनी हुई है।
- ✓ मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तरी आंतरिक कर्नाटक के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ✓ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ✓ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश से उत्तरी श्रीलंका तक एक उत्तर-दक्षिण द्रोणिका बनी हुई है।
- ✓ 13 अगस्त, 2025 के आसपास बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।

इन प्रणालियों के प्रभाव से निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) 8 अगस्त को पूर्वी उत्तर प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर बहुत संभावित है।
- अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 8 से 14 अगस्त तक; जम्मू-कश्मीर में 9 से 14 अगस्त तक; पंजाब में 10 अगस्त को; हरियाणा, चंडीगढ़ में 11 और 13 अगस्त को; उत्तर प्रदेश में 8, 9 और 12 से 14 अगस्त तक संभावित है। बहुत भारी वर्षा जम्मू-कश्मीर में 13 और 14 अगस्त को; हिमाचल प्रदेश में 11 से 14 अगस्त तक; उत्तराखंड में 8, 10, 11, 13 और 14 अगस्त को; पश्चिम उत्तर प्रदेश में 8, 13 और 14 अगस्त को; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 12 और 13 अगस्त को संभावित है।

उत्तर-पूर्व भारत:

- हल्की/मध्यम वर्षा कई स्थानों पर गरज, बिजली और अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा के साथ अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में 8 से 14 अगस्त तक; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 8, 9 और 12 से 14 अगस्त तक संभावित है। अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा अरुणाचल प्रदेश में 8 से 10 अगस्त तक और असम व मेघालय में 8, 11 और 12 अगस्त को संभावित है।
- हल्की/मध्यम वर्षा गरज और बिजली के साथ पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में कई स्थानों पर और मैदानी इलाकों में कुछ स्थानों पर अगले 7 दिनों तक संभावित है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा केरल और माहे में 8 अगस्त को; तमिलनाडु, रायलसीमा में 8 और 9 अगस्त को; तटीय कर्नाटक में 14 अगस्त को; आंतरिक कर्नाटक में 8 और 14 अगस्त को; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 8, 9 और 12 से 14 अगस्त तक; तेलंगाना में 8 से 14 अगस्त तक संभावित है।
- तेज सतही हवाएँ (40-50 किमी/घंटा) दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में अगले 2 दिनों तक बहुत संभावित हैं।
- हल्की से मध्यम वर्षा गरज और बिजली के साथ तमिलनाडु, केरल और माहे, लक्षद्वीप, कर्नाटक, रायलसीमा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, और तेलंगाना में अगले 5 दिनों तक कुछ स्थानों पर संभावित है।

पूर्व और मध्य भारत:

- अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा पश्चिम मध्य प्रदेश में 8 और 9 अगस्त को; पूर्वी मध्य प्रदेश में 8, 9, 13 और 14 अगस्त को; विदर्भ और छत्तीसगढ़ में 8 और 12 से 14 अगस्त तक; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 8 से 14 अगस्त तक; बिहार में 8 से 13 अगस्त तक; ओडिशा में 9 और 12 से 14 अगस्त तक; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 11 अगस्त को; झारखंड में 12 अगस्त को संभावित है। अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 8, 11 और 12 अगस्त को; बिहार, झारखंड और ओडिशा में 8 अगस्त को संभावित है।
- हल्की से मध्यम वर्षा गरज और बिजली के साथ क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर अगले 5 दिनों तक संभावित है।

पश्चिम भारत:

- अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में 8 अगस्त को; कोंकण और गोवा में 12 से 14 अगस्त तक संभावित है।
- हल्की से मध्यम वर्षा क्षेत्र में कई/कुछ स्थानों पर अगले 5-6 दिनों तक बहुत संभावित है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 8 अगस्त से 13 अगस्त 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएँ:

- **अरब सागर:** ओमान तट के निकट उत्तर-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में 9 से 13 अगस्त तक, दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम-मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों में 8 से 13 अगस्त तक; सोमालिया तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में 8 से 13 अगस्त तक, ओमान तट के साथ और उसके आसपास 9 से 13 अगस्त तक न जाएं।
- **बंगाल की खाड़ी:** उत्तरी ओडिशा और पश्चिम बंगाल तट के साथ और उसके आसपास, उत्तर-पश्चिम और निकटवर्ती उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी में 8 अगस्त को; मन्नार की खाड़ी के कुछ हिस्सों में कोमोरिन क्षेत्र और श्रीलंका तट के पास, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में 8 से 13 अगस्त तक; अंडमान सागर में 11 से 13 अगस्त तक न जाएं।

ii. 08 से 11 अगस्त 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- ❖ **पूर्वी उत्तर प्रदेश:** कर्नलगंज (जिला गोंडा) 21, कैसरगंज (जिला बहराईच) 16, लंभुआ (जिला सुल्तानपुर) 16, राम सनेही घाट तहसील (जिला बाराबंकी) 14, गोंडा सदर (जिला गोंडा) 11, रामनगर (जिला बाराबंकी) 11, सिरौली गौसपुर तहसील (जिला बाराबंकी) 9, हैदरगढ़ (जिला बाराबंकी) 8, देवगांव लालगंज (जिला आज़मगढ़) 7, निघासन (जिला खीरी) 7, महसी (जिला बहराईच) 7;
- ❖ **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम**: बक्साद्वार (जिला अलीपुरद्वार) 15, सिलीगुड़ी पीटीओ (जिला दार्जिलिंग) 14, तोरसा टी गार्डन (जिला अलीपुरद्वार) 11, बनारहाट हाई स्कूल (जिला जलपाईगुड़ी) 11, पलाशबाड़ी टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 11, चंपासारी (जिला दार्जिलिंग) 9, ऊदलाबाड़ी चाय एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 9, नामथांग (जिला नामची) 9, घाटिया टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 8, कलिम्पोंग (जिला कलिम्पोंग) 8, अम्फू कलिम्पोंग (जिला कलिम्पोंग) 8, डायना टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 8, बागडोगरा आईएएफ (जिला दार्जिलिंग) 7, चेंगमारी/डायना (जिला जलपाईगुड़ी) 7, जयबीरपारा टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 7, हिल्ला टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 7, गजोलडोबा (जिला जलपाईगुड़ी) 7, चलौनी टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 7, मेखलीगंज (जिला कूच बिहार) 7, गंद्रपारा टी गार्डन (जिला जलपाईगुड़ी) 7, कैलाशपुर टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 7, डोमोहानी (जिला जलपाईगुड़ी) 7;
- ❖ **तेलंगाना**: आत्मकूर एम (जिला वाई. भुवनगिरी) 14, कोडदा (जिला सूर्यापेट) 13, जडचेरला (जिला महबूबनगर) 13, अंबरपेट (जिला हैदराबाद) 13, शेकपेट (जिला हैदराबाद) 13, सरूरनगर (जिला रंगारेड्डी) 12, अल्लादुर्ग (जिला मेडक) 12, देवरुप्पल (जिला जनगांव) 10, मुधोल (जिला निर्मल) 10, शादनगर (जिला रंगारेड्डी) 9, कोडकंदला (जिला जनगांव) 9, जाजिरेड्डीगुडेम (जिला सूर्यापेट) 8, नवाबपेटम्बन (जिला महबूबनगर) 8, पेबबैर (जिला वानापर्थी) 8, अडाकल (जिला महबूबनगर) 8, नरसापुर (जिला मेडक) 8, बाला नगर (जिला) (महबूबनगर) 8, बांसवाड़ा (जिला कामारेड्डी) 8, भुवनगिरि (जिला वाई. भुवनगिरि) 8, जनगांव (जिला जनगांव) 8, गोलकोंडा (एआरजी) (जिला हैदराबाद) 8, वीपंगंदला (जिला वानापर्थी) 8, हनमकोंडा (जिला हनुमकोंडा) 8, गोलकुंडा (जिला हैदराबाद) 7, चिलकुर (जिला सूर्यापेट) 7, धर्मसागर (जिला) हनुमाकोंडा) 7, मोथे (जिला सूर्यापेट) 7, शादनगर (एआरजी) (जिला रंगारेड्डी) 7, चेगुंटा (जिला मेडक) 7, हसनपर्थी (जिला हनुमाकोंडा) 7, नवीपेट (जिला निज़ामाबाद) 7, बच्चनपेट (जिला जनगांव) 7, रघुनाथपल्ले (जिला जनगांव) 7, वानापर्थी (जिला वानापर्थी) 7, कम्मर पल्ले (जिला निज़ामाबाद) 7, भूतपुर (जिला महबूबनगर) 7, नूथनकल (जिला सूर्यापेट) 7, घनपुर (जिला जनगांव) 7, हैदराबाद ए.पी. (जिला हैदराबाद) 7;
- ❖ **छत्तीसगढ़**: ओरछा (जिला नारायणपुर) 12, बस्तर (जिला बस्तर) 7, कुसमी (जिला बलरामपुर) 7, कोहकामेटा (जिला नारायणपुर) 7, करपावंड (जिला बस्तर) 7, वांड्राफनगर (जिला बलरामपुर) 7, मैनपुर (जिला गरियाबंद) 7;

- **बिहार**: मदनपुर (जिला औरंगाबाद) 12, बोखरा (जिला सीतामढी) 11, अररिया (जिला अररिया) 10, औरंगाबाद (जिला औरंगाबाद) 8, डुमरांव (जिला बक्सर) 8, रून्नीसैदपुर (जिला सीतामढी) 7, भगवानपुर हाट (जिला सीवान) 7, दाउदनगर (जिला औरंगाबाद) 7;
- **झारखंड**: बरकिसुरिया (जिला गिरिडीह) 11, सिमडेगा (जिला सिमडेगा) 10, घाटशिला (जिला पूर्वी सिंगभूम) 10, पांकी (जिला पलामू) 7, बहरागोड़ा (जिला पूर्वी सिंगभूम) 7;
- **रायलसीमा**: कोदुर (जिला वाईएसआर जिला) 11, चिन्नमंदेम (जिला अन्नामय्या जिला) 9, तिरूपति एयरो (जिला तिरूपति) 9, वेमपल्ले (जिला वाईएसआर जिला) 8, राजमपेट (जिला अन्नामय्या जिला) 7;
- **मणिपुर**: चंदेल (जिला चंदेल) 11, चंदेल_एडब्ल्यूएस (जिला चंदेल) 7;
- **असम**: धेमाजी (जिला धेमाजी) 9, शिलांगनी_एडब्ल्यूएस (जिला नागांव) 7;
- **गांगेय पश्चिम बंगाल**: कोंटाई (जिला पूर्वी मिदनापुर) 11, सागर द्वीप पीटीओ (जिला दक्षिण 24 परगना) 7;
- **तटीय आंध्र प्रदेश और यानम**: पलेरू ब्रिज (जिला एनटीआर जिला) 10, उदयगिरि (जिला एसटीआर नेल्लोर) 10, आत्मकुर (जिला एसएसआर नेल्लोर) 8, मार्कपुर (जिला प्रकाशम) 7, नंदीगामा (जिला एनटीआर जिला) 7;
- **पूर्वी मध्य प्रदेश**: रीवा-आव्स (जिला रीवा) 10, बहरी (जिला सीधी) 8, हनुमना (जिला रीवा) 7, मऊगंज (जिला रीवा) 7;
- **ओडिशा**: अस्का (जिला गंजाम) 10, गोप (जिला पुरी) 8;
- **मराठावाड़ा**: टोंडापुर- अर्ग (जिला हिंगोली) 9, अर्धपुर (जिला नांदेड़) 7;
- **तमिलनाडु:** अर्कोट (जिला रानीपेट), कावेरीपक्कम (जिला रानीपेट) 9 प्रत्येक, अंबुर (जिला तिरुपथुर), वालाजाह (जिला रानीपेट), अम्मुंडी (जिला वेल्लोर) 8 प्रत्येक, चेय्यर एआरजी (जिला तिरुवन्नामलाई) 7;
- **उत्तरी आंतरिक कर्नाटक:** लिंगसुगुर (जिला रायचूर) 8, सिंधनूर (जिला रायचूर) 8;
- **उत्तराखंड**: हरिपुर (जिला देहरादून) 7;
- **निकोबार द्वीप समूह:** आईएएफ़ कार्निकोबार (जिला निकोबार) 7;
- **विदर्भ**: बल्लारपुर (जिला चंद्रपुर) 7

अनुलग्नक II

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	8- Aug	9- Aug	10- Aug	11- Aug	12- Aug	13- Aug	14- Aug
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	WS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
9	BIHAR	FWS	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	WS	FWS	SCT	FWS	WS	WS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
12	UTTARAKHAND	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	SCT	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	WS	WS
17	WEST RAJASTHAN	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT
19	WEST MADHYA PRADESH	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
23	KONKAN & GOA	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	SCT	ISOL	SCT	SCT	SCT
25	MARATHWADA	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
26	VIDARBHA	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
27	CHHATTISGARH	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
29	TELANGANA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
30	RAYALASEEMA	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL	SCT	SCT
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	WS	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
35	KERALA AND MAHE	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

अनुलग्नक III

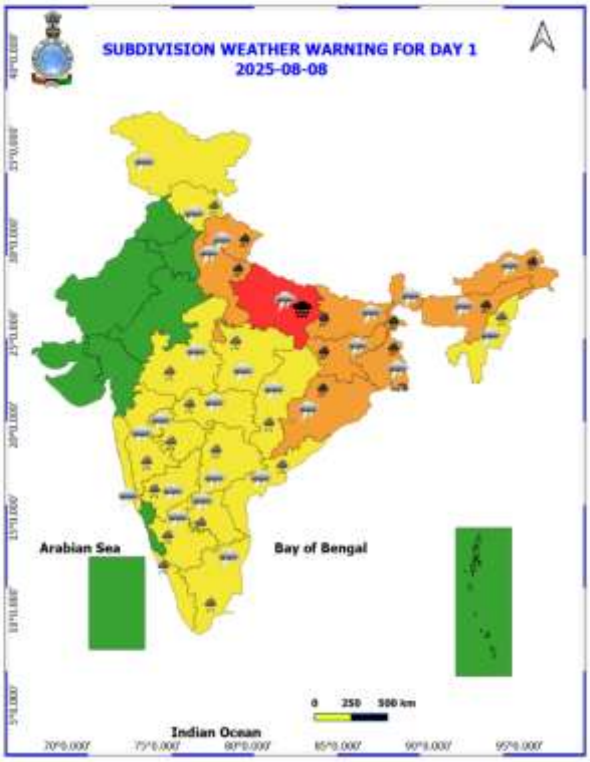
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-08-08
Arabian Sea
Bay of Bengal
0 250 500 km
Indian Ocean

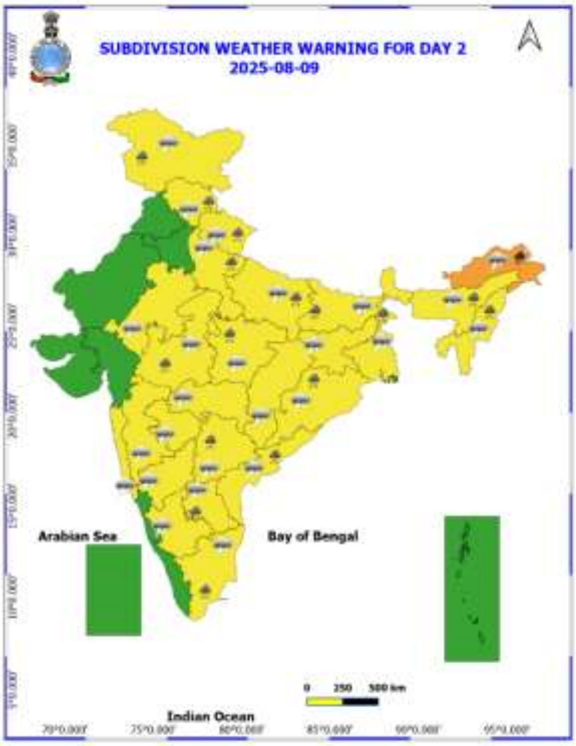
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-08-09
Arabian Sea
Bay of Bengal
0 250 500 km
Indian Ocean

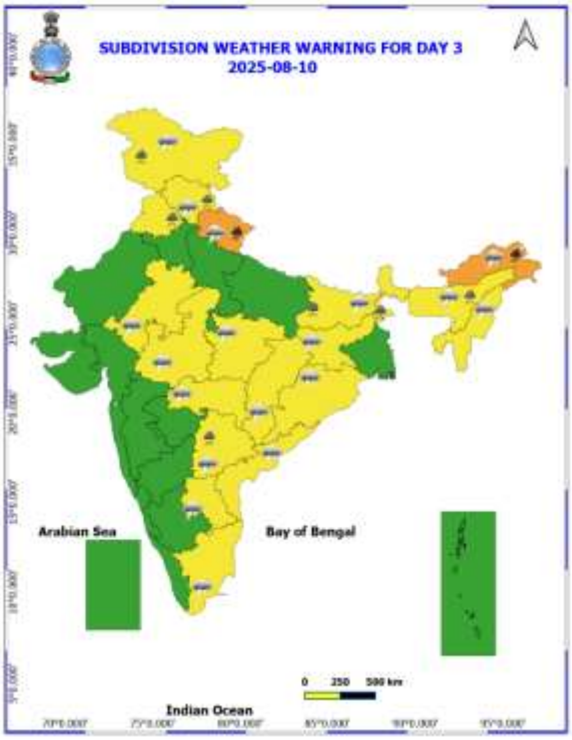
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-08-10
Arabian Sea
Bay of Bengal
0 250 500 km
Indian Ocean

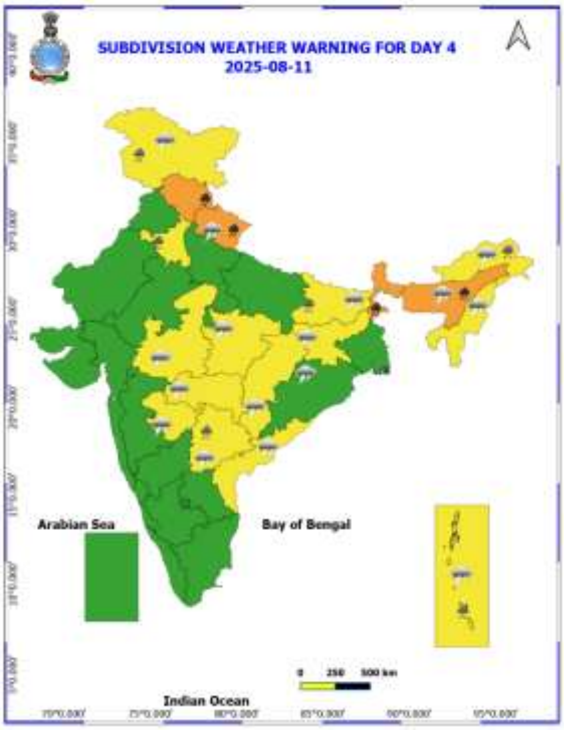

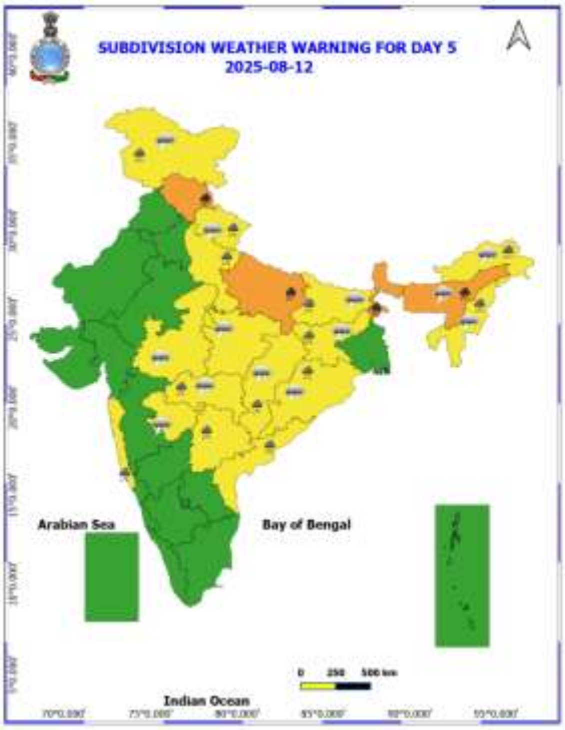

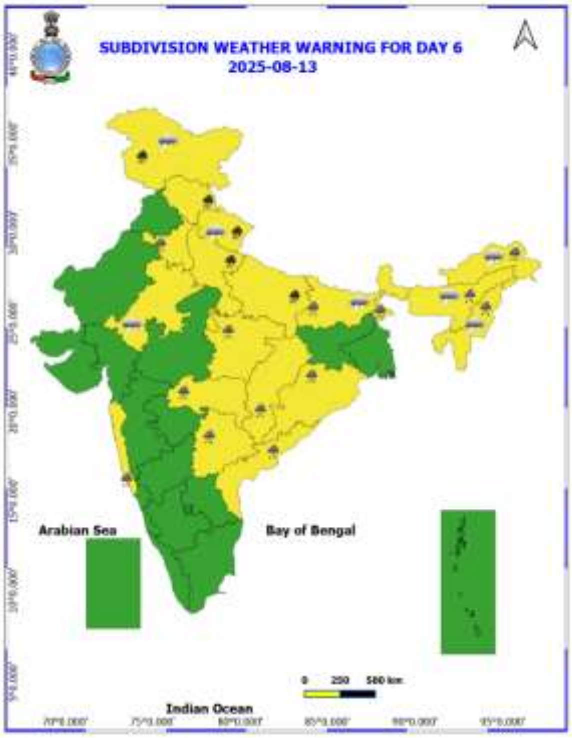

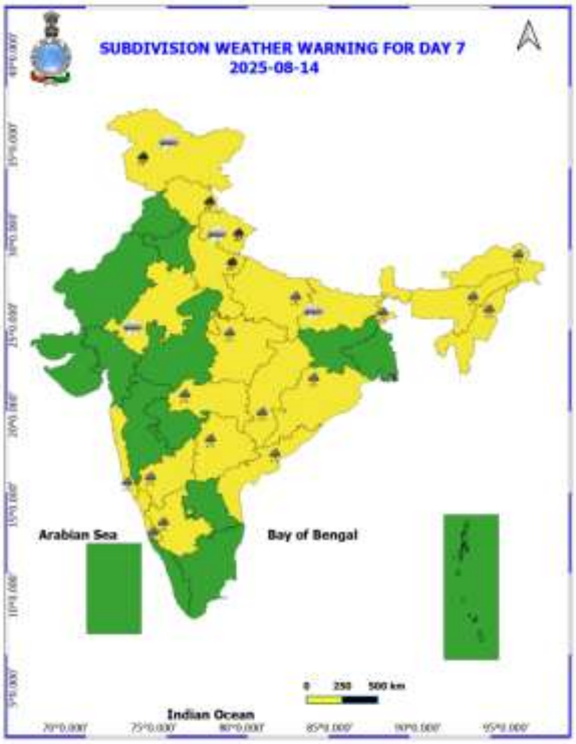

s

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक IV

दिल्ली/एनसीआर में 08 से 11 अगस्त 2025 के दौरान मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है और अधिकतम तापमान में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। न्यूनतम तापमान 24-26 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 34-36 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास और अधिकतम तापमान भी सामान्य के आसपास रहा। दक्षिण-पश्चिमी हवाएँ चलीं, जिनकी गति 22 किमी प्रति घंटा तक थी। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में कोई उल्लेखनीय वर्षा दर्ज नहीं की गई। आज सुबह आंशिक रूप से बादल छाए रहे और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति से हवाएँ चलीं।

मौसम पूर्वानुमान:

08.08.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। शाम/रात के समय गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना। सुबह के समय बहुत हल्की से लेकर बहुत हल्की बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना। दिल्ली में अधिकतम तापमान 35 से 37 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा। प्रमुख सतही हवाएँ दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति से चलेंगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति 10-15 किमी प्रति घंटा दक्षिण-पूर्व दिशा से ही रहेगी।

09.08.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34 डिग्री सेल्सियस और 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 3 डिग्री सेल्सियस कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवाएँ दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति से चलेंगी। दोपहर के समय हवाएँ दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति से चलेंगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति 10-15 किमी प्रति घंटा दक्षिण-पूर्व दिशा से ही रहेगी।

10.08.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 3 डिग्री सेल्सियस कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 0 से 2 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवाएँ दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति से चलेंगी। दोपहर के समय हवाएँ उत्तर-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति से चलेंगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति 10-15 किमी प्रति घंटा दक्षिण-पूर्व दिशा से रहेगी।

11.08.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस कम और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवाएँ उत्तर-पश्चिम दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति से चलेंगी। दोपहर, शाम और रात के दौरान हवा की गति 10-15 किमी प्रति घंटा दक्षिण-पूर्व दिशा से रहेगी।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- 08 अगस्त को पूर्वी उत्तर प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) होने की संभावना है।
- 08 अगस्त को बिहार, झारखंड और ओडिशा में; 08, 10, 11, 13 और 14 अगस्त को उत्तराखंड; 08, 13 और 14 अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश; 11-14 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश; 08-10 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश; 08, 11 और 12 अगस्त को असम और मेघालय, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 12 और 13 अगस्त को पूर्वी उत्तर प्रदेश; 13 और 14 अगस्त को जम्मू-कश्मीर में बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव

- ❖ स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- ❖ भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- ❖ कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- ❖ कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।
- ❖ जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- ❖ इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- ❖ अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- ❖ इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- ❖ उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ➢ **अरुणाचल प्रदेश** में, भारी बारिश बंद होने तक सभी फसलों की नई बुवाई और रोपाई स्थगित कर दें। लगभग पके हुए केले के गुच्छों की कटाई करें और उन्हें पकने के लिए सूखे और सुरक्षित स्थान पर रखें। धान, मक्का, रागी, सोयाबीन और सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों में जलभराव से बचाव हेतु उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। धान के खेतों में, खेत के कटाव और पौधों को बह जाने से रोकने हेतु मेड़ों को मज़बूत बनाएँ। भारी बारिश के दौरान फलदार पौधों को झुकने या टूटने से बचाने के लिए उन्हें मज़बूत सहारा प्रदान करें।
- ➢ **असम** में, जलभराव से बचाव हेतु, **निचले ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र** में साली धान, मूंग और अरहर के खेतों और केले के बागानों में; **उत्तरी तट के मैदानी क्षेत्र** में साली धान और गन्ने के खेतों में; **ऊपरी ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र** में साली धान के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- ➢ **मेघालय** में, धान, मक्का, हल्दी, मिर्च, भिंडी और करेले के खेतों में जलभराव से बचाव हेतु उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। केला, पपीता, लौकी आदि जैसी लंबी और नाज़ुक फसलों को गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।
- ➢ **नागालैंड** में, सतही जल अपवाह को नियंत्रित करने हेतु मक्के के खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाएँ। धान के खेतों में अतिरिक्त जल की निकासी हेतु जल निकासी चैनलों को साफ रखें।
- ➢ **त्रिपुरा** में, धान, मिर्च और अदरक के खेतों में उचित जल निकासी बनाए रखें।
- ➢ **उत्तराखंड** में, **भाबर और तराई क्षेत्र** में, पहले से बोई गई / रोपी गई धान, गन्ना, मक्का, उड़द, मूंग, मूंगफली, अरहर, रागी, सोयाबीन और सब्जियों की फसलों के खेतों में तथा **उप-आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में बाजरा, रागी, मूंग और उड़द की फसलों में उचित जल निकासी व्यवस्था बनाए रखें। **पहाड़ी क्षेत्र** में, सतही जल प्रवाह को रोकने हेतु मेड़ों को मज़बूत करें। मिट्टी में अत्यधिक नमी की स्थिति में मटर की बुवाई स्थगित कर दें। फसल के खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें।
- ➢ **हिमाचल प्रदेश** में, **मध्य पर्वतीय उप-आर्द्र क्षेत्र** में मक्का, अदरक और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें।
- ➢ **उत्तर प्रदेश** में **बुंदेलखंड क्षेत्र** में धान, अरहर, तोरिया, बागान और सब्जी फसलों के खेतों से अतिरिक्त जल निकासी की आवश्यक व्यवस्था करें। **उत्तर पूर्वी मैदानी क्षेत्र** में धान, मक्का, अरहर, उड़द, बाजरा और **पूर्वी मैदानी क्षेत्र** में अरहर, सोयाबीन, मक्का, मूंगफली, मूंग, उड़द और बाजरा की फसलों के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- ➢ **मध्य प्रदेश** के **गिर्द क्षेत्र** में सोयाबीन, अरहर और प्रतिरोपित धान के खेतों में; **बुंदेलखंड क्षेत्र** में धान और सब्जियों के खेतों में तथा **सतपुड़ा पठार क्षेत्र** में मक्का, सोयाबीन, कपास, गन्ना और सब्जियों के खेतों में पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था करें।

- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल** में, **पहाड़ी क्षेत्र** में धान, अदरक एवं सब्ज़ियों के खेतों तथा फलों के बागानों से और **तराई क्षेत्र** में अमन धान एवं सब्ज़ियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु उचित व्यवस्था करें। **तराई क्षेत्र** में मिर्च के पौधों को भारी बारिश से बचाने हेतु उन्हें प्लास्टिक से ढक दें।
- **बिहार** में, **उत्तर-पश्चिम जलोढ़ मैदानी क्षेत्र** में प्याज, मिर्च और फूलगोभी की नर्सरी एवं मक्का जैसी खड़ी फसलों से; **उत्तर-पूर्व जलोढ़ क्षेत्र** में मक्का, रागी, कोदो, सावा, चीना आदि फसलों से; तथा **दक्षिण बिहार के जलोढ़ क्षेत्र** के निचले इलाकों में मक्का, सब्ज़ियों, रागी, कोदो, सावा आदि फसलों में अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें और खेत की मेड़ों को मज़बूत करें।
- **केरल** में, धान, नारियल, केला और अदरक के खेतों में पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था करें। केले के बागानों को सहारा दें। सब्ज़ियों के पंडालों को मज़बूत बनाएँ।
- दक्षिण **तेलंगाना** में, **धान** की नर्सरियों और हाल ही में रोपे गए धान के साथ-साथ कपास, मक्का, अरहर, सोयाबीन, गन्ना और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

आकस्मिक बाढ़ मार्गदर्शन:

09-08-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में मध्यम से उच्च आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश - अमेठी, अयोध्या, बाराबंकी, हरदोई, जौनपुर, लखनऊ, प्रतापगढ़, रायबरेली, सीतापुर, सुल्तानपुर और उन्नाव जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।

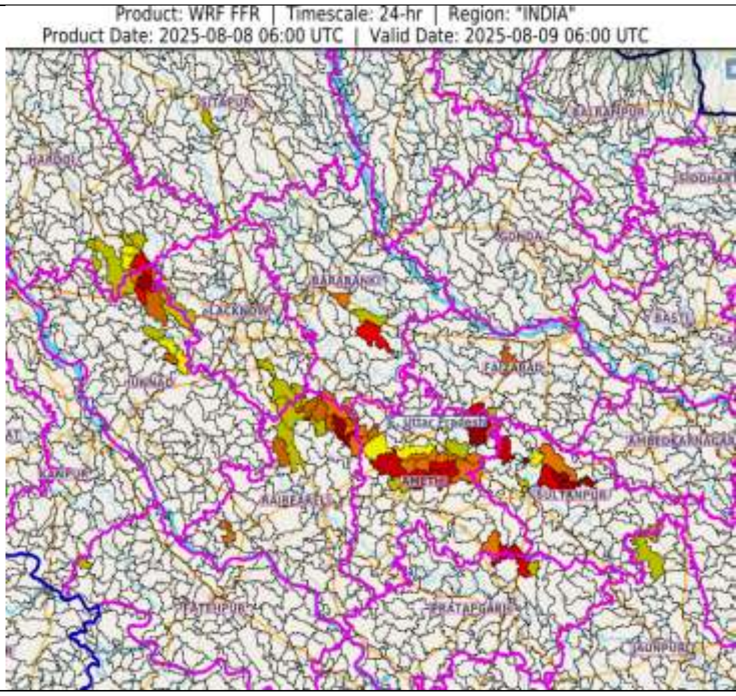

09-08-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

उत्तराखंड - अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, चंपावत, देहरादून, नैनीताल, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल और उत्तरकाशी जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।

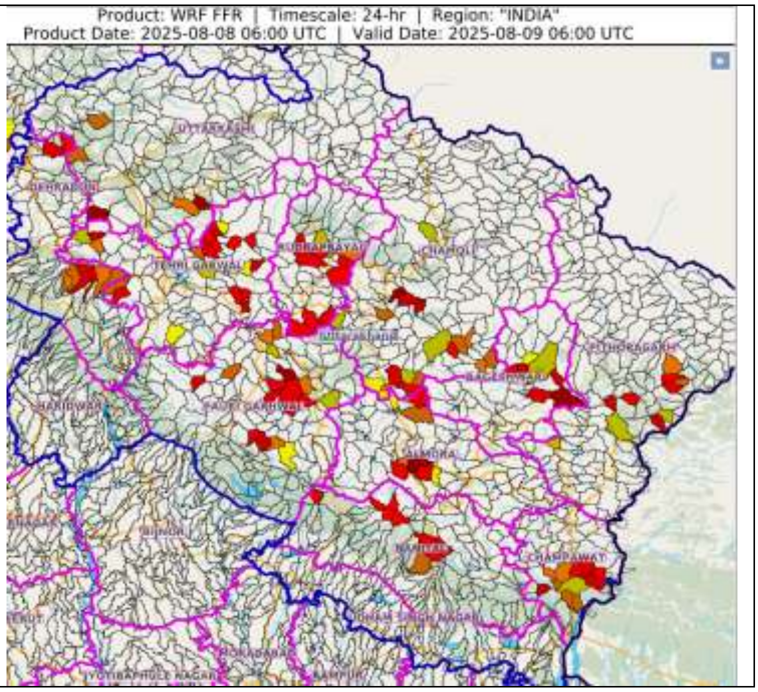

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

हिन्दी	English
1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह	1. Andaman & Nicobar Islands
2. अरुणाचल प्रदेश	2. Arunachal Pradesh
3. असम और मेघालय	3. Assam & Meghalaya
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा	4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम	5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. गंगीय पश्चिम बंगाल	6. Gangetic West Bengal
7. ओडिशा	7. Odisha
8. झारखंड	8. Jharkhand
9. बिहार	9. Bihar
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश	10. East Uttar Pradesh
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश	11. West Uttar Pradesh
12. उत्तराखंड	12. Uttarakhand
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली	13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. पंजाब	14. Punjab
15. हिमाचल प्रदेश	15. Himachal Pradesh
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख	16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. पश्चिम राजस्थान	17. West Rajasthan
18. पूर्वी राजस्थान	18. East Rajasthan
19. पश्चिम मध्य प्रदेश	19. West Madhya Pradesh
20. पूर्वी मध्य प्रदेश	20. East Madhya Pradesh
21. गुजरात	21. Gujarat
22. सौराष्ट्र	22. Saurashtra
23. कोंकण और गोवा	23. Konkan & Goa
24. मध्य महाराष्ट्र	24. Madhya Maharashtra
25. मराठवाड़ा	25. Marathwada
26. विदर्भ	26. Vidarbha
27. छत्तीसगढ़	27. Chhattisgarh
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम	28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. तेलंगाना	29. Telangana
30. रायलसीमा	30. Rayalaseema
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल	31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. तटीय कर्नाटक	32. Coastal Karnataka
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक	33. North Interior Karnataka
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक	34. South Interior Karnataka
35. केरल और माहे	35. Kerala & Mahe
36. लक्षद्वीप	36. Lakshadweep

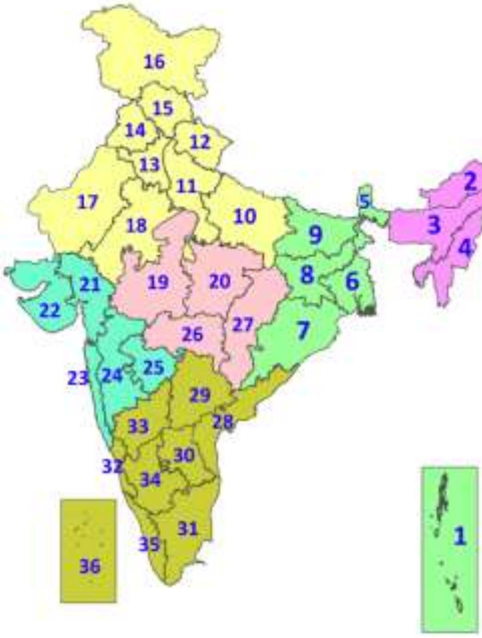

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- Fog
- Heavy Rain
- Very Heavy Rain
- Extremely Heavy Rain
- Thunder & Lightning
- Hailstorm
- Dust Raising Winds
- Heavy Snow
- Dust Storm
- Heat Wave
- Warm Night
- Hot Day
- Hot & Humid
- Strong Surface Winds
- Cold Wave
- Cold Day
- Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)